Information Layout

Programme: MEDICAL HELPLINE: 104

Introduction: The Government has set up an inbound Medical Helpline for the

convenience of the general public. This call center is functioning round the clock 24X7 hrs and in this helpline the services are available in three

languages, viz. Punjabi, Hindi and English.

Background: The Government has started 104 Medical Helpline call center from June

2014, for which the State Government has entered into an agreement with M/s Ziqitza Healthcare Limited Mumbai through tendering process only for three years. After successful completion of the tenure of three years again floated the tender for next three years. In this tender the successful bidder (L1) M/s Aryabhat Computers, Patna with consortium partner M/s HB Software Solutions India Pvt. Ltd., Gurugram, Haryana has taken the rights of this Medical Helpline 104 from September, 2017. The Call Centre has already been setup at SDH Kharar (Sahibzada Ajit Singh Nagar) & this Medical Helpline can be availed 24x7 hrs free of cost to all the citizens in the State of Punjab from anywhere by dialing

no.104 from any Landline or Mobile phone.

The aim is to provide information or advice for health related services to general public about queries in the following areas:

1. Information Directory for tracking health services providers/institutions, diagnostic services, hospitals etc.

- 2. Complaint Registration about person/institution relating to deficiency of services, negligence, corruption, etc. in government healthcare institutions.
- 3. Advice on long term ill conditions like diabetes, heart issues etc.
- 4. Response to health scares and other localized epidemics.
- 5. Counseling and advice (stress, depression, anxiety, post-trauma recovery, HIV, AIDS, RTI, STI etc.)
- 6. Health and symptoms checker (initial assessment, flu advice, pregnancy related information etc)
- 7. First aid information and advice.
- 8. Any other health related services/issues.

Current Status: Currently this helpline is having 10 seats. Each seat is expected to take

approximately 300 calls per day.

Nodal Officers: Er. Manoj Modi,

Bio Medical Engineer, Punjab Health Systems Corporation, Mohali

Contact No. 8872449555

Contd..2..

Achievement:

Dash Board

Call Details Dashboard	1st September 2017 – 31st March 2018
Complaints	1895
Counseling Cases	71
Information	44227
Medical Advice	3009
Suggestion	38
Call diverted to 108 helpline	257
Total Inbound - Relevant Calls	49497
Non Relevant Calls	69547
Outbound Calls	38110
Total Calls Inbound and Outbound	157154

Photographs:





ਹੈਲਪਲਾਈਨ 104 ਬਾਰੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰਨ ਦਾ ਕੰਮ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਜ਼ਿੰਮੇ

ਪੱਤਰ ਪ੍ਰੇਰਕ

ਮੰਡੀ ਅਹਿਮਦਗੜ੍ਹ, 7 ਫਰਵਰੀ

ਸੱਤ ਮਹੀਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਸਿਹਤ ਅਤੇ ਪਰਿਵਾਰ ਭਲਾਈ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਮੈਡੀਕਲ ਹੈਲਪਲਾਈਨ 104 ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਆਮ ਲੋਕਾਂ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਹੁਣ ਸਰਕਾਰੀ ਅਤੇ ਮਾਨਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਸਕੂਲਾਂ ਅਧਿਆਪਕ ਪੂਰਾ ਕਰਨਗੇ ਸਰਵ ਸਿੱਖਿਆ ਅਭਿਆਨ ਅਥਾਰਟੀ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵਧੀਕ ਪਾਜੈਕਟ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਵੱਲੋਂ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਪੱਤਰ ਰਾਹੀਂ ਇਲਾਕੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿੱਖਿਆ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਮੁਖੀਆਂ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤ ਅਤੇ ਸਕੂਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਉਹ 24 ਜੂਨ 2014 ਕੀਤੀ ਗਈ ਮੈਡੀਕਲ ਹੈਲਪਲਾਈਨ ਬਾਰੇ ਆਪਣੇ ਇਲਾਕੇ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰਨ। ਜਾਣਕਾਰੀ ਨੂੰ ਲੋਕਾਂ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਲਈ ਵਰਤੇ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਢੰਗਾਂ ਬਾਰੇ ਭਾਵੇਂ ਕੋਈ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪਰ ਸਥਾਨਕ ਸ਼ਹਿਰ ਅਤੇ ਲਾਗਲੇ ਪਿੰਡਾਂ ਮੁਖੀਆਂ ਨੇ ਸਵੇਰ ਦੀ ਦੇ ਸਕਲ ਪ੍ਰਾਰਥਨਾ ਸਭਾ ਅਤੇ ਨੋਟਿਸ ਬੋਰਡਾਂ ਇਹ ਰਾਚੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਅਤੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਦੇਣੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਪੱਤਰ ਅਨੁਸਾਰ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਧਿਆਨ ਵਿੱਚ ਇਹ ਲਿਆਂਦਾ ਗਿਆ ਸੀ ਕਿ ਆਮ ਲੋਕ ਅਤੇ ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਵਸਨੀਕ ਹੁਣ ਤੱਕ ਇਸ ਹੈਲਪਲਾਈਨ ਤੋਂ ਕੋਈ ਖਾਸ ਲਾਹਾ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕੇ ਕਿਉਂਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਨਹੀਂ ਸੀ।

ਘੰਟੇ ਚੱਲਣ ਵਾਲੀ ਇਸ ਹੈਲਪਲਾਈਨ 'ਤੇ ਸੰਪਰਕ ਕਰਨ 'ਤੇ ਕਿਸੇ ਵੀ ਵਿਅਕਤੀ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਦੇ ਹੱਲ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਡਾਕਟਰ, ਮਾਹਰ ਜਾਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਤੌਰ 'ਤੇ ਸਿਖਲਾਈ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਮਚਾਰੀ ਪੂਰੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦੇਵੇਗਾ। ਇਸ ਸਕੀਮ ਅਧੀਨ ਸੂਬੇ ਦਾ ਕੋਈ ਵੀ ਆਪਣੀ ਬਿਮਾਰੀ ਵਿਅਕਤੀ ਇਲਾਜ, ਐਮਬੀਬੀਐਸ ਡਾਕਟਰਾਂ ਅਤੇ ਉਸ ਵੱਲੋਂ ਸੇਵਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਸਿਹਤ ਕੇਂਦਰ ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਮੌਕੇ 'ਤੇ ਲੈ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਸ਼ੋਸ਼ਣ ਦਾ ਸ਼ਿਕਾਰ ਬਿਰਧ ਔਰਤਾਂ, ਬੱਚੇ, ਏਡਜ਼, ਅਤੇ ਹੋਰ ਸਮਾਜਿਕ ਲਾਹਨਤਾਂ ਦੇ ਸ਼ਿਕਾਰ ਵਿਅਕਤੀ ਵੀ ਆਪਣੀ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਦੇ ਹੱਲ ਲਈ ਇਸ ਮੁਫ਼ਤ ਸੇਵਾ ਦਾ ਲਾਹਾ ਲੈ ਸਕਦੇ ਹਨ।

फंदा तैयार था पर '104' ने हाचा लिया रविंदर को

🔳 मरने से पहले हैल्पलाइन पर कॉल के दौरान काऊंसलिंग ने मन से निकाला सुसाइड का ख्याल

ल्धियाना, 1 दिसंबर (विपन जंड): ऑलीवुड मूथी 'लंगे रहां मून्ना भाई' का एक सीन था, वार्त में ना भाई में का एक सीन था, वार्त में प्रेश माकीट में अपने पिता के सात लाख रुपए गंवा चुका युक्क खुरकु शो करते लगा होता है लोकन अचानक वह मुन्ना भाई की हैटसलाइन पर डायल कर देता है जीन अचानक साईड वॉश कर देती है और वह खुरकुशी का ईरादा मन से निकाल देता है। लुधियाना के खन्ना में भी हबहू ऐसा ही हुआ। इसमें एक वुवक ने फंडा लगा से पर हुल अचानक 104 हैल्पलाइन पर एक कॉल ने मरने से बच्चा लिया।

खन्ना का 26 वर्षीय युवक रविंदर सिंह (काल्पनिक नाम) सिविल सर्विसेज परीक्षाओं की

सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहे युवक को सुसाइड से बचाया

तैयारी कर रहा है। आई.ए.एस. बनने का खाब संजीवे रविंदर दस से 12 घंटे तक पढ़ता रहता है। इस दौरान उसके मन में पता नहीं कहां से नकारात्मक ख्याल घर कर गए। उसे नींद नहीं आती थी। सारा दिन मन उचाट रहने लगा। पढने को भी मन नहीं करता था। इन सब पाब्लम्स का हल उसे खदकशी लगा। उसने गूगल सर्च इंजन पर मरने के आसान तरीकों के बारे में सर्च करना शरू कर दिया। अखबारों में भी सुसाइड की खाबरें पढ़ ने में दिलचस्पी लेने लगा।

परिवार शादी पर गया, मरने की कर ली थी तैयारी

उसने वीन दिन पहले मरने की पूरी प्लानिंग कर ली थी। खुद रविदर बताता है कि उस दिन उसकी पत्नी, बचा व मां-बाए शादी समारोह में गए हुए वे। आऊंड पत्तीर पर सिर्फ भई था, जबकि ऊपरी मंजित पर वह अकेला था। रविदर के मुनाबिक सेव हिप्स बा कि आज वह खुद को खन कर लेगा। रस्सी का इंतज़ान कर प्लानिंग भी बना ली कि पंखे पर कसे रस्सी तटकाकर खुल जाना है।

भाजी मेरा तो आज तक भोग पड चका होता

रविंदर के मुताबिक पिछले हफ्ते यह सिथित अस्पताल खन्ना में बलड डोनेट करने गया था। वहां होंदिंग पर 104 हैल्यालाइन के बारे मूं हवा था। उस त्या ताता नहीं कैसे 104 की तरफ ख्याल बला गया,और नंबर डावल कर दिया। ऑप्टेटर ने फोन लाइन साइकोलोजिकल कौसलर डा. कविंता से कंगेवर कर दी। डा. कविंता दस मिनट बात करती रही। पहले तो वह नहीं मान तहा वा तीकोज उन्होंने सुराझड़ल टैडेंगी व नकारमक या को खहम करने के लिए कुछ बातें बताई, जिससे उसके मन से सुराइड का ख्याल निकल गया। एक दिन बाद दोबारा डा. कविंता से बात हुई। उन्होंने अपनी नोंव प्राप्त मन पानी से शेयर करने, मकारासक ख्यात आने पर सेर पर निकल जाने समेत कुछ अन्य टिप्स भी दिए, जिससे नींद अख्डी आने लगी और माइड भी रिलंक्स हो गया। रिकट रंक मुताबिक उस दिन 104 पर केंव न की होती, तो आज तक मेरा भीम भी पड़ नगा होता।

बेहद स्ट्रैस में लग रहा था कॉलर : प्रमोद कुमार

खरइ सिविल अस्पताल में बने हैल्पलाइन 104 के कंट्रोल रूम के टीम तीडर प्रमोद कुमार के मुताबिक कॉल करने वाता युक्क बेहद तनाव में लग रहा बा। वह बार-बार सुसाइड की बात कह रहा था। डर शा कि वह गलत कदम न उठा ले। इसलिए तुरंत रिस्पास किया गया। बाद में फीडबैक कॉल की गई तो युक्क ने बताया कि वह पूरी तरह से टीक है।

हैल्पलाडन पर बना है डाक्टरों का पैनल

हैत्यलाइन 104 के अधिशानत मैनेजर सुनील कुमार के मुताबिक वीबीसों घंटे काम करने वाले कंट्रोल रूम पर 12 घंटे एक ए.बी.बी.एस. डाक्टर व साइकोलींडिकल कॉसलर तैनत स्त्री हैं। डाक्टरों का एक पैतन भी अतग से हमा है। मरीज की समस्या सुनने के बाद संबंधित उक्टर को कॉल कनेश्ट कर दी जाती है। पुरी टीम खुश्न है कि वह एक युवक की जान बचाने में सफल रहे।

जून 2014 में शुरू हुई थी हैल्पलाइन

ऑप्रेशनत मैनेजर सुनील के मुतबिक जून 2014 में यह हैल्पलाइन शुरू हुई बी। इस पर क्वालीफाइड डावटर से मुपत मैडीकल एडवाइज, काऊं सलिग, हैल्ब सर्विसेज की जानकारी या कंप्लेट भी की जा सकती है।

Medical helpline comes to rescue of patient

TRIBUNE NEWS SERVICE

LUDHIANA, MAY 15

Medical helpline 104 came to the rescue of a patient who was admitted at Civil Hospital and was not able to get blood.

Himat Thakur called up 104 and lodged a complaint against the staff of Civil Hospital, Ludhiana. As per complainant, his wife Madhu was pregnant and admitted to the ESI Hospital, Ludhiana and required A(+) blood urgently. He rushed her to the Civil Hospital, Ludhiana. But the laboratory staff of the hospital denied

providing blood.

Complainant added that he waited for long time. Himmat Thakur lodged complain at 104 Medical Helpline. The complaint was recorded under emergency category and the matter was taken by 104 Medical Helpline to the concerned Senior Medical Officer, Civil Hospital, Ludhiana. SMO assured of intervention and promised to look into the matter on priority basis. The matter was followed-up and the blood was provided to him by hospital staff immediately after the complaint.

डॉक्टर या दवा नहीं मिल रही है तो तुरंत डॉयल करें 104 नंबर

किसी भी समस्या के लिए डॉयल करने पर दर्ज होगी कंप्लेंट

भास्कर न्यूज | बरनाला

अगर आपको सिविल अस्पताल में डाक्टर नहीं मिल रहा, किसी कर्मचारी से कोई शिकायत है, दबाई नहीं मिल रही या कोई अन्य शिकायत हो तो तुरंत 104 नंबर(टोल प्रति)डॉयल करें। आपकी शिकायत इस नंबर के माध्यम से मोहाली में दर्ज होगी और उसका निपटारा किया जाएगा। यहीं नहीं इसका रिप्लाई भी आपको फोन या एसएमएस के माध्यम से आएगा। प्रदेश सरकार ने लोगों को सरकारी अस्पतालों में आने वाली दिक्कतों के महेनजर यह टोल प्री नंबर जारी किया है। हेल्थ विभाग द्वारा लोगों की सुविधा के लिए टोल फ्री नंबर व अन्य जानकारी के संदर्भ में एक बोर्ड इमरजेंसी के पास भी लगा दिया है ताकि पव्लिक या मरीज को किसी प्रकार की कोई समस्या ना आए और वह तुरंत अपनी परेशानी वता सके।

भ्रष्टांचार को सहन नहीं किया जाएगा-सिविल सर्जन : सहायक सिविल सर्जन डा.महिंदर सिंह ने कहा कि अगर कोई अस्पताल में सरकारी काम करवाने आता है तो प्रीस देने के बाद इसकी रसीद जरूर लें। उनका कहना है कि भ्रष्टाचार को सहन नहीं किया जाएगा। अगर किसी कर्मचारी की शिकायत आती है तो



शनिवार को सिविल अस्पताल में लगाया गया दोल फी नंबर-104 का सबन बोर्ड।

भ्रष्टाचार रोकने के लिए भी लगाए साइन बोर्ड

इसके अलवा सिवल अस्पताल में काम के बदले पैसे मांग्रामे वालों पर नकेल कराने के लिए ओपीडी और सिविल सर्जन के द्यातर के बाहर बोर्ड लगाए गए हैं। इनमें सफ लिखा गया है कि अगर कोई कर्मचारी काम के बदले आपसे ऐसे मांगता है तो इसकी जनकारी भी 104 नंबर पर या फिर सिविल सर्जन को दें।

तुरंत उस पर डिपार्टमेंट एक्शन लेगा। मरीजों को अस्पताल में सारी सहूलियतें दी जाएगी।



Other Department/Partners: National Health Mission, Punjab is providing financial support in the programme.
